B.A Part I (H & Subsc) Philosophy

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी

डॉ० अनीता कुमारी गुप्ता
दर्शनशास्त्र विभाग
जे० के० कॉलेज बिरौल दरभंगा।

1. प्राचीन भारत में दर्शन धारा किस आधार पर दो दिशाओं में बँट गयी थी?

Ans:- वेदों के खण्डन व मण्डन के आधार पर

2. प्राचीन भारतीय दर्शन में मुख्य रूप से नास्तिक किन्हें कहते हैं?

Ans. जो लोग वेदों का खण्डन करते थे।

3. वैदिक युग वह युग था जबकि :-

Ans. प्रकृति के क्रिया-कलाप एक रहस्य थे।

4. भारतीय दर्शन की आस्तिक धारा में किसे अधिक महत्व दिया गया है?

Ans. वेदों को

5. ऋग्वेद में आत्मा या जीव के लिए किन शब्दों का प्रयोग किया गया है?

Ans. मनका, आत्मा का

6. आत्मा को नित्य तथा कूटस्थ माना जाता है क्योंकि.

Ans. शरीर के नष्ट हो जाने पर आत्मा शेष रह जाती है।

7. 'ऋत का सिद्धांत' किन लोगों के लिए है?

Ans:- मानवता के लिए।

8. ऋग्वेद में विश्व का उपादान कारण बताया गया है?

Ans. असत को

9. 'नासदीय सूक्त' में बताया गया है कि :-

Ans:- सृष्टि के पहले क्या था?

10. ऋग्वेद में ऋत का उल्लेख हुआ है

Ans:- एक वैज्ञानिक व्यवस्था के रूप में।

11. ऋग्वेद में आत्मा या जीव के लिए किस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है?

Ans - जीव

12. किस उपनिषद में ब्रह्म का प्रतिपादन व्यष्टि और समष्टि की चेतना और शक्ति के रूप में किया गया?

Ans:- वृहदारण्यक

13. वेदांत का अर्थ है :-

Ans. वेदों का अंत